

सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर टाइगर लैंडस्केप कॉन्फ्रेंस

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

भूटान सरकार ने **संपूर्ण एशिया** में बाघों और उनके आवासों के संरक्षण के लिये आगामी दशक में **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** जुटाने के लिये **पृथ्वी दृष्टि, 2024** पर **सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर टाइगर लैंडस्केप कॉन्फ्रेंस** की मेज़बानी की।

सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर टाइगर लैंडस्केप सम्मेलन क्या है?

परिचय:

- दो दिवसीय सम्मेलन की मेज़बानी भूटान की रानी जेत्सुन पेमा वांगचुक के संरक्षण में की जाएगी।
- इसका उद्देश्य **बाघ परदृश्यों के संरक्षण** के लिये 10 वर्षों में **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि एकत्रित करना** है।
 - बाघ परदृश्य का संरक्षण **जैवविविधता को बनाए रखने**, कार्बन को पृथक करने, 100 मिलियन से अधिक लोगों को संसाधनों की आपूर्ति करने और ग्रह के समग्र स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- इस सम्मेलन में **टाइगर रेंज देश**, अग्रगामी सोच रखने वाले सार्वजनिक और नजीक क्षेत्र के नविशक, अंतरराष्ट्रीय विकास संगठन **बाघ संरक्षण संघ** और अन्य संरक्षण समूह भी उपस्थित थे।

सम्मेलन की मुख्य वशिषताएँ:

- दस बाघ रेंज वाले देशों** के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों ने अपने बाघ परदृश्यों के संरक्षण के लिये प्रगति और महत्वाकांक्षाओं पर वक्तव्य दिये।
- सम्मेलन का समापन भूटान की शाही सरकार द्वारा अपने उद्देश्य को दोहराते हुए **'पारो वक्तव्य'** के साथ किया गया।

फंडिंग के अन्य स्रोत:

- वर्ष 2010 के बाद से **ग्लोबल एनवायरनमेंट फेंसिलिटी** ने बाघ संरक्षण के लिये वित्तपोषण में 197 मिलियन **अमेरिकी डॉलर** से अधिक राशि प्रदान की है और सह-वित्त में 880 मिलियन **अमेरिकी डॉलर** जुटाए हैं।

इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस (IBCA):

परिचय:

- भारत ने **बगि कैट** की सुरक्षा के लिये अपने नेतृत्व में एक **मेगा वैश्विक गठबंधन** शुरू करने का प्रस्ताव दिया है और **100 मिलियन अमेरिकी डॉलर** की गारंटीकृत फंडिंग के साथ पाँच वर्षों तक समर्थन का आश्वासन दिया है।
- प्रस्तावित **इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस (IBCA)** सात प्रमुख बगि कैट- **बाघ, शेर, तेंदुआ, हमि तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता** की सुरक्षा एवं संरक्षण की दृष्टि में काम करेगा।
- इस गठबंधन की सदस्यता **97 "रेंज" देशों के लिये खुली रहेगी**, जिनमें इन बगि कैट का प्राकृतिक आवास, साथ ही अन्य इच्छुक राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय संगठन आदि शामिल हैं।
 - यह गठबंधन वर्ष **2022 में नामीबिया से चीतों के आगमन** से प्रेरित है।
- भारत विश्व का **एकमात्र देश** है जहाँ **प्यूमा और जगुआर को छोड़कर बाघ, शेर, तेंदुआ, हमि तेंदुआ और चीते** हैं।
 - इसलिये यह उचित होगा कि भारत **संयुक्त राष्ट्र (UN)** जैसे संगठन के तहत सभी बड़े देशों को एक साथ लाने का नेतृत्व करे।

IBCA की संरचना:

- एक ऐसी महासभा जिसमें सभी सदस्य देश शामिल होते हैं।
- 5 वर्ष की अवधि के लिये महासभा द्वारा निर्वाचित कम-से-कम 7 तथा अधिकतम 15 सदस्य एवं देशों की एक परिषद एवं सचिवालय शामिल हैं।
- महासभा एक वशिष्ट अवधि के लिये **IBCA महासचिव की नियुक्ति** करेगी।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - ◆ वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - ◆ मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - ◆ नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - ◆ नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

बाघ संरक्षण हेतु वैश्विक पहलें क्या हैं?

- एकीकृत बाघ पर्यावास संरक्षण कार्यक्रम (ITHCP)
- बाघ संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा
- ग्लोबल टाइगर फोरम
- वैश्विक बाघ पहल (GTI)
- बाघ संरक्षण के लिये गठबंधन:
 - यह उन संगठनों का एक स्वतंत्र समूह है जिन्होंने प्रमुख रूप से बाघ आकलन पर एक साथ बड़े पैमाने पर कार्य किया है।
 - इसके सदस्य संगठनों में प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय संघ (IUCN), वाणजिय में प्राणजात और वनस्पति-जात के व्यापार-संबंधी वशिलेक्षण (TRAFFIC), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और वशिव वन्यजीव कोष शामिल हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. वाणजिय में प्राणजात और वनस्पति-जात के व्यापार-संबंधी वशिलेक्षण (TRAFFIC) के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2017)

1. TRAFFIC, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अंतर्गत एक ब्यूरो है।
2. TRAFFIC का मशिन यह सुनश्चिति करना है कविन्य पादपों और जंतुओं के व्यापार से प्रकृतिके संरक्षण को खतरा न हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

प्रश्न. नमिनलखिति संरक्षति क्षेत्रों पर वचिर कीजयि: (2012)

1. बाँदीपुर
2. भतिरकणकिा
3. मानस
4. सुंदरबन

उपरोक्त में से कसि टाइगर रज़िरव घोषति कयिा गया है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)